

**SINDHI HIGH SCHOOL, HEBBAL**

**PERIODIC TEST-II [2023-24]**

**SUBJECT: L2 HINDI**

**Class: IX Max Marks: 50**

**Date: 28.8.2023 Reading Time: 8:05 to 8:15 am**

**No of Sides: 6 Writing Time: 8:15 to 10:15 am**

**सामान्य निर्देश: निम्नलिखित निर्देशों को सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।**

1. प्रश्न-पत्र को चार खंडों में विभाजित किया गया है-क, ख, ग एवं घ।

2. खंड क में अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न हैं। (अंक-5)

3. खंड ख में व्याकरण पर आधारित प्रश्न हैं। (अंक-15)

4. खंड ग में पाठय पुस्तक पर आधारित प्रश्न हैं। (अंक-25)

5. खंड घ में रचनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न हैं। (अंक-5)

6. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

**खंड- क**

**I)निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनिए । 5**

दूसरों की भलाई के विषय में सोचना तथा उसके लिए कार्य करना महान गुण है। वृक्ष अपने लिए नहीं, औरों के लिए फल धारण करते है। नदियाँ भी अपना जल स्वयं नहीं पीतीं। परोपकारी मनुष्य भी संपत्ति का संचय औरों के कल्याण के लिए करते हैं । मानव-जीवन भी एक-दूसरे के सहयोग पर निर्भर है। मनुष्यता की कसौटी परोपकार है। परोपकार का सुख लौकिक नहीं ,अलौकिक है। जब कोई व्यक्ति नि:स्वार्थ भाव से किसी की सेवा करता है तो उस क्षण वह मनुष्य नहीं, दीनदयालु के पद पर पहुँच जाता है। वह दिव्य सुख प्राप्त करता है। उस सुख की तुलना में धन-दौलत कुछ भी नहीं है। यहाँ दधीचि जैसे ऋषि हुए जिन्होंने अपनी जाति के लिए अपने शरीर की हड्डियाँ दान में दे दी। बुद्ध, अशोक, गांधी , अरविंद जैसे महापुरुषों के जीवन परोपकार के कारण ही महान बन सके हैं। परोपकार की भावना ही सच्ची ईश्वर पूजा है। भूखे को अन्न देना, प्यासे को पानी पिलाना, निराश को सांत्वना देना, रोगी की सेवा करना और भूले-भटके को रास्ते पर लाना प्रत्येक मानव का धर्म है और यह धर्म ही परोपकार है। मानवता की पहचान परोपकार से ही हो सकती है । **1. मनुष्य का महान गुण कौन-सा है ?**

(क) अपने परिवार के लिए जीना-मरना (ख) स्वार्थवश परोपकार करना

ग) स्वार्थहीन परोपकार करना (घ) परिश्रम करना

**2.संपत्ति का संचय क्यों करना चाहिए ?**

(क) निस्वार्थ त्याग के लिए (ख) सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए

(ग) सुरक्षित भविष्य के लिए (घ) सुविधापूर्ण जीवन जीने के लिए

**3. दिव्य सुख की प्राप्ति होती है ?**

(क) लौकिक बनने से

(ख) जब कोई व्यक्ति नि:स्वार्थ भाव से किसी की सेवा करता है

(ग) अत्यधिक असफ़लता प्राप्त करने से

(घ) परोपकार से यश मिलने से

**4. सच्ची ईश्वर पूजा किसे कहा गया है ?**

(क) श्रद्धा-भक्ति के साथ ईश्वर की पूजा करना

(ख) मन में ईश्वर के प्रति सच्ची भक्ति रखना

(ग) परोपकार करना

(घ) अपने शरीर की हड्डियाँ दान में देना

**5**. **मानवता की पहचान किससे होती है ?**

क) रोगी को अन्न खिलाने से ख) भूखे को पानी पिलाने से

ग) निराश की सेवा करने से घ) भूले-भटके को रास्ते पर लाने से

**खंड-ख**

1) जब शब्द वाक्य में प्रयोग होता है तब वह ----बन जाता है। 1

1. उपसर्ग ii) प्रत्यय iii)पद iv)विलोम

2) एक या अधिक अक्षरों से बनी हुई स्वतंत्र सार्थक ध्वनि कहलाती है। 1

i) पदबंध ii) शब्द iii) पद iv) वचन

3) अनुस्वार का उदाहरण है। 1

1. पंजाब ii) पतं iii) ससांर iv) चचलं

4) अनुनासिक शब्द का सही उदाहरण है। 1

i) हसँ ii) गाँव iii)चादँ iv) झडाँ

5) **’सन्देह’** शब्द का मानक रूप है। 1

i) सनदेह ii) संदेह iii) संदँह iv) समदेंह

6) **योगाभ्यास** शब्द किस संधि का उदाहरण है ? 1

i) दीर्घ संधि ii) गुण संधि iii) यण संधि iv) अयादि संधि

7) **परम+अणु** की संधि होगी । 1

i) परामाणु ii) परमाणु iii) पारामणु iv) परमाणू

8) मैं यह काम नहीं कर सकता। अर्थ के आधार पर वाक्य भेद होगा । 1

i) प्रश्नवाचक ii) विधानवाचक iii) इच्छावाचक iv)निषेधवाचक

9) सूर्य पूर्व से उदय होता है। अर्थ के आधार पर वाक्य भेद होगा । 1

i) प्रश्नवाचक ii) विस्मयवाचक iii) संकेतवाचक iv)विधानवाचक

10) क्या तुमने ताजमहल देखा? अर्थ के आधार पर वाक्य भेद होगा । 1

i) विस्मयवाचक ii) विधानवाचक iii) प्रश्नवाचक iv) निषेधवाचक

11**)** सभी अपना-अपना काम करो। अर्थ के आधार पर वाक्य भेद होगा । 1

i) आज्ञावाचक ii) संदेहवाचक iii) विस्मयादिबोधक iv) प्रश्नवाचक

12) “**प्रश्नवाचक “** वाक्य का सही विकल्प चुनिए । 1

i) बच्चा सो रहा है ।

ii) बच्चा शायद सो रहा है ।

iii) क्या बच्चा सो रहा है ?

iv) बच्चा सो जाये ।

13) **अभिमान** शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है । 1

i)अभि ii) अभी iii) आभि iv) अभइ

14**) टिकाऊ** शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है - 1

i)काऊ ii)आउ iii) आऊ iv) काउ

15 ) **”अनु” उपसर्ग और “आई” प्रत्यय** से बने शब्दों का सही विकल्प होगा। 1

i) अनउसार, लिखआई ii) अनूसार ,लीखाई

iii)अनुसर ,लखाई iv)अनुसार , लिखाई

**खंड-ग**

**III) प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए। (3+3+3+3+3)**

1. लेखिका की सफ़लता पर कर्नल खुल्लर ने उसे किन शब्दों में बधाई दी और **की**

लेखिका को देख कर हक्का-बक्का क्यों रह गया ?

1. कवि ने कीचड़ के जल को धन्य क्यों कहा है? और हमें अपना दुख दूसरों पर क्यों नहीं प्रकट करना चाहिए ?

3) जब अतिथि चार दिन तक नहीं गया तो लेखक के व्यवहार में क्या परिर्वतन आए ?

4) प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नही हो पाता ?

5) डॉ० मीनू मेहता ने क्या जानकारियाँ दी और तेनजिंग ने लेखिका की तारीफ़ में क्या कहा? **IV) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर उपयुक्त विकल्प द्वारा दीजिए। 5**

उस दिन जब तुम आए थे, मेरा हृदय किसी अज्ञात आशंका से धड़क उठा था। अंदर-ही-अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया। उसके बावजूद एक स्नेह-भीगी मुसकराहट के साथ मैं तुमसे गले मिला था और मेरी पत्नी ने तुम्हें सादर नमस्ते की थी। तुम्हारे सम्मान में ओ अतिथि, हमने रात के भोजन को एकाएक उच्च-मध्यम वर्ग के डिनर में बदल दिया था। तुम्हें स्मरण होगा कि दो सब्ज़ियों और रायते के अलावा हमने मीठा भी बनाया था। इस सारे उत्साह और लगन के मूल में एक आशा थी। आशा थी कि दूसरे दिन किसी रेल से एक शानदार मेहमाननवाज़ी की छाप अपने हृदय में ले तुम चले जाओगे। हम तुमसे रुकने के लिए आग्रह करेंगे, मगर तुम नहीं मानोगे और एक अच्छे अतिथि की तरह चले जाओगे। पर ऐसा नहीं हुआ! दूसरे दिन भी तुम अपनी अतिथि-सुलभ मुसकान लिए घर में ही बने रहे। हमने अपनी पीड़ा पी ली और प्रसन्न बने रहे। स्वागत-सत्कार के जिस उच्च बिंदु पर हम तुम्हें ले जा चुके थे, वहाँ से नीचे उतर हमने फिर दोपहर के भोजन को लंच की गरिमा प्रदान की और रात्रि को तुम्हें सिनेमा दिखाया। हमारे सत्कार का यह आखिरी छोर है, जिससे आगे हम किसी के लिए नहीं बढे़। इसके तुरंत बाद भावभीनी विदाई का वह भीगा हुआ क्षण आ जाना चाहिए था, जब तुम विदा होते और हम तुम्हें स्टेशन तक छोड़ने जाते। पर तुमने ऐसा नहीं किया।

क) लेखक किससे परेशान है?

i) अपनी पत्नी से ii) अतिथि से iii) बच्चों से iv) गर्मी से

ड.) अतिथि के सम्मान में पहले दिन रात के भोजन में क्या बना था ? ख) लेखक अतिथि से उसके आगमन के दिन कैसे मिला था ?

i) रूखेपन से ii) अजनबी जैसे iii) स्नेहपूर्ण मुसकराहट iv)गंभीरता से

ग) दोपहर के भोजन को कौन-सी गरिमा प्रदान की गई थी ?

i) डिनर ii) लंच iii) ब्रेकफास्ट iv) नाश्ता

घ) लेखक का बटुआ अंदर ही अंदर क्यों काँपने लगा ?

i) लेखक के बटुए में फोन रखा था । ii) लेखक के पैर काँपने लगे ।

iii)लेखक का बजट गडबडाने से iv) इनमें से कोई नहीं

i) एक सब्जी और रायता ii) खिचड़ी

iii) दो सब्जियों और रायते के साथ मीठा iv) पुलाव और दो सब्जियाँ

**V) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर उपयुक्त** **विकल्प द्वारा दीजिए । 5**

रहिमन देख बड़ेन को, लघु न दीजिये डारि।

जहाँ काम आवे सुई, कहा करै तरवारि ॥

क) रहीम किसका महत्त्व समझते हैं ?

i) छोटी वस्तुओं का ii) बड़ी वस्तुओं का iii) दोनों का iv)किसी का नहीं

ख) रहीम ने छोटे और गरीब लोगों की तुलना किससे की है ?

i)सुई ii) तलवार से iii) दोनों से iv) किसी से नहीं

ग) रहीम ने तलवार को किसके समान महत्त्व दिया है ?

i) बड़े लोगों के समान ii)छोटे लोगों के समान

iii) नेताओं के समान iv)युवा वर्ग के समान

घ) कपड़ा कौन सिल सकता है?

i) तलवार ii)धोबी iii) सुई iv) कोई नहीं

ड.) प्रस्तुत दोहे का मूल भाव है ।

i) सुई और तलवार दोनों अपना–अपना काम करते हैं।

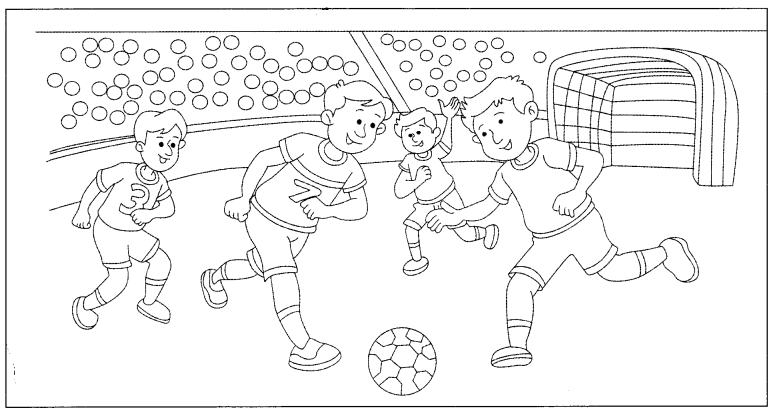
ii) बड़ी चीज़ को देखकर छोटी चीज़ को नहीं छोड़ देना चाहिए ।

iii) बड़ों को देखकर छोटों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए ।

iv) छोटों को देखकर बड़ों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए ।

**खंड-घ**

**VI) दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखते हुए लगभग 100 शब्दों में वर्णन कीजिए (5)**

****